



हृदय रोगों के उपचार में अंचल
का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) | DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्शदाता समझ -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से साथ 5:00 बजे तक
12. दशमुक्त फैज, निशिल हॉटेल के सामने, मंदसौर (प. प्र.) 07424-490333

गुरु एवं सप्तप्रसाद

सुबह का अखबार

संपादक - आशुतोष नवाल

वर्ष 18

अंक 23

पृष्ठ 4

मन्दसौर

मंगलवार 31 अक्टूबर 2023

मूल्य 2 रुपया

विस चुनाव: इतनी महंगाई में कैसे पूर पड़ेगा रे बाबा!

**चार विधानसभा में 8 करोड़ से ज्यादा
होंगे खर्च, तय सीमा 40 लाख**

मन्दसौर, 30 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेसा इतनी महंगाई में कैसे पूर्ण अनुमान है कि जिले में मतदान के दिन

ये भी है भारी भ्रकम खर्च

चुनाव वाले दिन प्रत्येक बूथ पर बैठने वाले कार्यकर्ता को ही औसत 5 हजार रुपए खर्च देना होता है।

जिले की चारों विधानसभा में कुल 1133 मतदान केंद्र हैं दोनों ही दल यदि अपने 2-2 प्रतिनिधि को यहां बैठाता है तो केंद्रों पर कुल 4532 कार्यकर्ताओं की ज्यूटी लगेगी। प्रत्येक कार्यकर्ता पर 5 हजार रुपए खर्च के हिसाब से आंकड़ा करीब 4 करोड़ 52 लाख से ज्यादा हो जाता है।

आयोग तय करता है अपना हिसाब-किताब...

चुनाव आयोग उम्मीदवारों द्वारा दी गई खर्चों की लिस्ट अपने हिसाब से तैयार की जाती है। इस लिस्ट में चुनाव प्रचार के द्वारा चाय, कॉफी, समाज, रस्सुलां, आइसक्रीम समेत प्रत्येक सामान के रेट तय किए जाते हैं एवं खर्च उम्मीदवार के खाते में जोड़ा जाता है। चुनाव आयोग प्रचार सामग्री और सभा में काम आने वाले सामान की भी कीमत निष्पारित करता है। आयोग अपनी रेट लिस्ट के अनुसार ही उम्मीदवार के खाते का आकलन करता है।

17 नवंबर तक 8 करोड़ रुपए से ज्यादा



रुपया बाजार में आएगा ये वो रुपया है जो राजनीतिक दल चुनाव में विजय श्री हासिल करने के लिए खुलकर खर्च करेंगे यूं तो चुनाव आयोग ने प्रति उम्मीदवार 40 लाख रुपए खर्च कर सकते। जबकि, कम से कम 1 करोड़ रुपए प्रति उम्मीदवार भी खर्च करता है। वैसे तो यह राजी 8 करोड़ रुपए होती है। वैसे चुनावी राजनीति के जानकारी की माने तो चुनाव आयोग में आंकड़ा यहां तक कि इनका दाम लगाए लेकिन, कम से कम 2 से 5 करोड़ रुपए तक खर्च होते हैं। वहीं अन्य दल और निर्दलीय उम्मीदवारों का कुल खर्च करीब एक करोड़ रुपए तक जाएगा। इससे चुनावी खर्च का आंकड़ा विवरण के नाम पर मोटी रकम खर्च कर चुके हैं। अब चुनावी सभा, प्रचार-प्रसार

और मतदानाओं को लगाने के लिए ऐसा खर्च करने से चुनावी प्रसार सामग्री के बाजार में बूझ आएगा।

ऐसे समझे खर्च का गणित...

मंदसौर जिले में चार विधानसभा हैं - मंदसौर, गुरेठ, सुवासरा और महाराजाड़ा। कार्यक्रम भाजपा की बात करें तो उम्मीदवार की संख्या है आठ। चुनाव आयोग के मापदंड के अनुरूप ये प्रत्याशी कुल 3 करोड़ 20 लाख रुपए खर्च कर सकते। जबकि, कम से कम 1 करोड़ रुपए प्रति उम्मीदवार भी खर्च करता है। वैसे तो यह राजी 8 करोड़ रुपए होती है। वैसे चुनावी राजनीति के जानकारी की माने तो चुनाव आयोग में आंकड़ा यहां तक कि इनका दाम लगाए लेकिन, कम से कम 2 से 5 करोड़ रुपए तक खर्च होते हैं। वहीं अन्य दल और निर्दलीय उम्मीदवारों का कुल खर्च करीब एक करोड़ रुपए तक जाएगा। इससे चुनावी खर्च का आंकड़ा विवरण के नाम पर मोटी रकम खर्च कर चुके हैं। अब चुनावी सभा, प्रचार-प्रसार के खाते में जोड़ा जाता है। चुनाव आयोग प्रचार सामग्री और सभा में काम आने वाले सामान की भी कीमत निष्पारित करता है। आयोग अपनी रेट लिस्ट के अनुसार ही उम्मीदवार के खाते का आकलन करता है।

बाजार में ये हैं इलेक्शन इफेक्ट...

मौसमी रोजगार मिलेगा: चुनावी खर्च से मौसमी तोर पर रोजगार का सृजन भी हुआ है। जिसे हलवाई, होटल, रेस्टोरेंट और ढाबे वालों को रोजगार कार्यकर्ताओं के लिए भाजन का ऑर्डर मिल रहा है। मजरूरों को भी अतिरिक्त काम मिल गया है।

ट्रास्पोर्ट कारोबार में यहां पाठीयों के लिए वाहन की व्यवस्था कर रहे हैं। बड़ी सभाओं में कार्यकर्ताओं को लाने ले जाने के लिए भी वाहनों की आवश्यकता होगी।

होड़िंग और बैंट भी दिमांक के लिए भी बड़े बाजार हो रहे हैं। इसके बावजूद जिले में बैनर-पोस्टर में बैनर वाहनों को स्थानीय स्तर पर राजनीतिक दल का काम दे रहे हैं। निर्वाचन प्रत्याशियों को इनके पास ही अपनी प्रचार सामग्री प्रिंट करवानी होगी।

टैट और लाइट कारोबार: टैट, लाइट और साउंड वालों का भी काम बढ़ गया है। चूंकि अभी देव प्रबोधिनी एकांशी तक शादी व्याध जैसे सुध काम बढ़ दे रहे हैं, ऐसे में टैट, लाइट और साउंड वाले भी खाली ही बैठे थे। उन्हें अच्छा काम मिल गया है।

आइटी प्रोफेशनल की पूछपत्र: अभी आईटी प्रोफेशनल को भी काम मिल रहा है। क्योंकि प्रचार-प्रसार का काम काफ़ी हाईटेक हो गया है।

चुनाव में इन खर्चों का नहीं होगा बहीखाता

* मंदसौर जिले में नेता बड़े पैमाने पर शराब बांटते हैं। इसका कोई हिसाब किताब नहीं रहता।

* गांवों में मतदाताओं में प्रभुत्व खर्च वालों को सेट करने के लिए कुछ न कुछ किया जाता है।

* खाने-पीने में बैनर-पोस्टर किलन मरन पर भी बड़ी रकम खर्च होती है। गांवों में तो चुनाव तक रात-रात भर पाटियां चलती हैं।

आठ दिन पहले पकड़ा था खाद से भराटक, लेबोरेटरी में नकली मिली

उज्जैन जिले के चार लोगों पर प्रकरण दर्ज, 100 बेंग नकली खाद बरामद

मंदसौर, 30 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेसा द्वारा थाना पुलिस ने करीब 8 दिन पहले एक ट्रक से 100 बेंग से बगर बिल और बिल्टी का खाद बरामद किया गया। इसके बावजूद उम्मीदवार 40 लाख रुपए खर्च कर सकता है। लेकिन, प्रत्याशियों से लेकर पाटियां चुनाव तक बैठती हैं। उन्हें अच्छा काम मिल गया है।

जिला कृषि विभाग अधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि इनका दाम 1 लाख 35 हजार रुपए बताई गई। ट्रक के साथ पायलेटिंग कर रही एक कार एक रुपए 43 से 0.0768 को लेकिन इसके बावजूद उम्मीदवार 40 लाख का खाद बरामद किया गया है।

लेकिन इसका दाम 1 लाख 35 हजार रुपए बताई गई। ट्रक के साथ पायलेटिंग कर रही एक कार एक रुपए 43 से 0.0768 को लेकिन इसके बावजूद उम्मीदवार 40 लाख का खाद बरामद किया गया है।

करवा चौथ के लिए - भारतीय संस्कृति के सबसे प्रमुख त्यौहारों में से एक करवा चौथ आने वाली है। इसके लिए शहर के फूटपाथ पर दुकानें सजने लगी हैं।

करवा चौथ के लिए - भारतीय संस्कृति के सबसे प्रमुख त्यौहारों में से एक करवा चौथ आने वाली है। इसके लिए शहर के फूटपाथ पर दुकानें सजने लगी हैं।



**ब्याहर होते लंबे
अजगर का रेस्क्यू
डेढ़ घटे की मशक्कत के बाद
आया काबू, जंगल में छोड़ा**

मनासा, 30 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेसा द्वारा थाना पुलिस ने करीब 8 दिन पहले एक ट्रक से बगर बिल और बिल्टी का खाद बरामद किया गया। इसके बावजूद उम्मीदवार 40 लाख रुपए खर्च कर सकता है। लेकिन इसका दाम 1 लाख 35 हजार रुपए बताई गई। इसके बावजूद उम्मीदवार 40 लाख का खाद बरामद किया गया है।

दलौदा आये थे और दलौदा व आसपास के इलाकों में चारों हाथों पर आकर दिलाने को बैठते थे। हावानिसंह पिता रेशेवर भाइयों ने बैठने के लिए खाद बरामद किया गया। इसके बावजूद उम्मीदवार 40 लाख रुपए खर्च कर सकता है। लेकिन इसका दाम 1 लाख 35 हजार रुपए बताई गई। इसके बावजूद उम्मीदवार 40 लाख का खाद बरामद किया गया है।

दलौदा आये थे और दलौदा व आसपास के इलाकों में चारों हाथों पर आकर दिलाने को बैठते थे। हावानिसंह पिता रेशेवर भाइयों ने बैठने की गोली नहीं मिली। इसके बावजूद उम्मीदवार 40 लाख रुपए खर्च कर सकता है। लेकिन इसका दाम 1 लाख 35 हजार रुपए बताई गई। इसके बावजूद उम्मीदवार 40 लाख का खाद बरामद किया गया है।

